

**पठानी स्त्री.** (फा.) पठान जाति की स्त्री, पठानी पुं.

1. पठान होने का भाव 2. पठान जाति की चरित्रगत विशेषता, क्रूरता, शूरवीरता, पठानपन आदि वि. पठान संबंधी।

**पठार पुं.** (देश.) 1. एक पहाड़ी जाति 2. ऊँचा, लम्बा एवं चौड़ा मैदान, जो कि निकटवर्ती निचले प्रदेशों में ढालुए अंश से मिला रहता है।

**पठावन पुं.** (देश.) 1. भेजने की क्रिया 2. वह व्यक्ति या दूत जो किसी के भेजने पर कहीं गया हो, संदेशवाहक 3. बसीठी।

**पठावनी स्त्री.** (तद्.) 1. किसी व्यक्ति को कहीं भेजने का भाव या क्रिया 2. किसी वस्तु या संदेश को किसी के माध्यम से भिजवाना, किसी के भेजने पर कुछ लेकर जाना 3. भेजने या पहुँचाने का पारिश्रमिक, मजदूरी।

**पठि स्त्री.** (तत्.) पढ़ने की क्रिया, पठन, पढ़ना, अध्ययन।

**पठित वि.** (तत्.) 1. पढ़ा जा चुका, पढ़ा हुआ, जिसे पढ़ चुके हों 2. पढ़ा-लिखा व्यक्ति, शिक्षित, जो पढ़ चुका हो यथा- पठित समाज।

**पठियर स्त्री.** (देश.) लकड़ी की बनी हुई ऐसी बल्की या पटिया जो कुएँ के मुँह पर बीचोंबीच अथवा किसी एक ओर ऐसे रखी जाती है कि पानी निकालने वाला उस पर पैर रखकर पानी निकालता है ताकि बर्तन कुएँ की दीवार से नहीं टकराए।

**पठिया स्त्री.** (देश.) 1. पट्टा का स्त्रीलिंग 2. हष्ट-पुष्ट तथा नौजवान बलवती स्त्री, युवती।

**पठोर पुं.** (देश.) 1. बिना ब्याई एवं जवान बकरी 2. मुर्गी।

**पठौनी स्त्री.** (देश.) 1. किसी व्यक्ति को कुछ देकर कहीं भेजना, भेजने की क्रिया या भाव 2. संदेश या वस्तु भेजने का भाव या क्रिया, पढ़ाना 3. वधू के साथ भेजी जाने वाली सामग्री।

**पड़की पुं.** (देश.) पंडुक।

**पड़छती स्त्री.** (देश.) 1. पानी की बौछारों से बचाने के लिए कच्ची दीवार पर लगायी जाने वाली छाजन, दीवार की रक्षा हेतु लगाया गया छप्पर या ओट 2. कमरे या गैलरी आदि में दो दीवारों के बीच में लकड़ी के खंभों पर तख्ते या फट्टे लगाकर अथवा सीमेंट से पक्की बनाई जाने वाली पाटन, जिस पर घर या दुकान का बड़ा-छोटा सामान रखा जाता है, टाँड 3. दे. परछती।

**पड़त स्त्री.** (देश.) दे. पड़ता।

**पड़ता (पाड़ता) पुं.** (देश.) काव्य. एक प्रकार का छंद जिसमें एक 'मगण', एक 'भगण' और एक 'सगण' होते हैं।

**पड़ता पुं.** (देश.) 1. किसी वस्तु की खरीद या खरीदने की तैयारी का वह भाग जो हमें अनुकूल लगता हो, लागत, खर्च 2. किसी सामान को खरीदने या बेचने, लाने या ले जाने, तैयार करने या कराने में आने वाला खर्च, लागत मुहा. पड़ता खाना- उचित मूल्य या लागत निकालने के बाद लाभ या मुनाफे की स्थिति; पड़ता फैलाना- किसी वस्तु को तैयार करने, खरीदने या मँगाने-भेजने में जो खर्च आता है, उसे देखकर अपना लाभ तय करते हुए भाव निश्चित करना 3. दर, औसत।

**पड़ताल स्त्री.** (देश.) 1. पड़ताल या छान-बीन की क्रिया अथवा भाव, किसी वस्तु या स्थिति की सूक्ष्म छानबीन करना 2. अनुवीक्षण, अनुसंधान; गौर से की गई जांच 3. लेखपाल अथवा नहर आदि के पटवारियों द्वारा की जाने वाली विशेष प्रकार की जांच 4. तुलना, बराबरी की परख।

**पड़तालना स.क्रि.** (देश.) पड़ताल करना, जाँचना, छान-बीन करना, अनुसंधान करना।

**पड़ती स्त्री.** (देश.) बिना जुती हुई भूमि, पड़ी हुई जमीन मुहा. पड़ती उठना- पड़ती (जमीन) का जोता जाना, उस पर खेती होना; पड़ती उठाना- खाली पड़ी हुई जमीन को किसी खेतिहर को जोतने-बोने के लिए दे देना, लगान पर खेती देना।